महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र

(भा.कृ.अनु.प. - कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर)

चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर (उ०प्र०)-273165

अंक – 07 | समाचार – पत्रिका | जुलाई, 2022

सम्पादक मंडल

मुख्य संपादक

डा0 विवेक प्रताप सिंह

(वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष)

संपादक

डा0 अजीत कुमार श्रीवास्तव

(वि.व. वि. – उद्यान)

डा0 संदीप प्रकाश उपाध्याय

(वि.व. वि. – मृदा विज्ञान)

श्री अवनीश कुमार सिंह

(वि.व. वि. – सस्य विज्ञान)

श्रीमती श्वेता सिंह

(वि.व. वि. – गृह विज्ञान)

संकलन एवं सहयोग

श्री गौरव कुमार सिंह

(कार्यक्रम सहायक - कम्प्यूटर)

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र,चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर (उ०प्र०) द्वारा प्रकाशित

Email– gorakhpurkvk2@gmail.com

Website – http://www.mgkvk.in/

Facebook- https://www.facebook.com/mgkvk

Twitter – https://www.twitter.com/mgkvk

Youtube – https://www.youtube.com/channel/UCdZ8rAP_lDHeU6Ic5sNNYEw

महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र

एक नजर में

कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना कृषि एवं संबंधित विषयों की नवीनतम तकनीकों के स्थानांतरण एवं प्रसार द्वारा जनपद के सर्वांगीण विकास हेतु गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान के नियंत्रण में गोरक्षपीठाधीश्वर पूजनीय महंत श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज द्वारा की गई। इस केन्द्र का शिलान्यास 23 अक्टूबर 2016 एवं उद्घाटन 2 मार्च 2019 को तत्कालीन केंद्रीय मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार श्री राधा मोहन सिंह जी के द्वारा किया गया। यह केंद्र भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद – कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर द्वारा वित्तपोषित है। यह केन्द्र गोरखनाथ की पवित्र धरती पर स्थापित होने की वजह से इस केंद्र का पूरा नाम महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र रखा गया। यह केन्द्र गोरखपुर जनपद से 35 किलोमीटर दूरी पर गोरखपुर – सोनौली मार्ग पर पीपीगंज रेलवे स्टेशन से 8 किलोमीटर दूरी पर (अक्षांश 26.929971, देशांतर 83.240244) पीपीगंज – बढ़या चौक मार्ग पर स्थित है। कृषि विज्ञान केन्द्र के पास 20.56 हेक्टेअर का प्रक्षेत्र है जिस पर प्रमुख रुप से गेहूँ, धान, सरसो, चना, तिल, गन्ना, अरहर इत्यादि फसलों का बीज उत्पादन किया जाता हैं।

संदेश

प्रो. उदय प्रताप सिंह
उपाध्यक्ष, प्रबन्ध समिति
गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान
गोरखनाथ, गोरखपुर

वर्तमान समय में कृषि उत्पादन लागत को कम करने एवं गुणवत्तायुक्त अधिक उत्पादन प्राप्त करने हेतु यह आवश्यक है कि कृषकों तक नवीनतम कृषि अनुसंधान एवं कृषि तकनीकियों को पहुँचाया जाए। महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर इन नवीनतम तकनीकियों को निरंतर कृषकों तक पहुँचाने में तत्पर हैं जिससे कृषकों का आर्थिक एवं सामाजिक स्तर सुधारा जा सके।

महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा प्रकाशित मासिक न्यूज लैटर का यह अंक केन्द्र द्वारा किए गए एवं किए जाने वाले कार्यों के साथ-साथ नवीनतम कृषि तकनीकियों का प्रसार गांव-गांव एवं घर-घर पहुँचेगा, जो सभी वर्ग के किसानों के लिए लाभप्रद होगा।

(उदय प्रताप सिंह)

महाययोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, गोरखपुर द्वारा जुलाई, 2022 में किये गये कार्य

1. प्रशिक्षण कार्यक्रम

फसल/उद्यम का शीर्षक	संख्या	लाभार्थी
क) कृषक एवं महिला कृषकों हेतु प्रशिक्षण	02	42
ख) बेरोजगार युवक युवतियों हेतु प्रशिक्षण	01	10

3. प्रक्षेत्र परीक्षण

शीर्षक	लाभार्थी संख्या
क) भिण्डी की उन्नतशील प्रजाति काशी चमन का परीक्षण	5
ख) बैगन की उन्नतशील संकर प्रजाति काशी सन्देश का परीक्षण	5

4. प्रसार गतिविधियां

शीर्षक गतिविधियां	संख्या	लाभार्थी
ग) वैज्ञानिकों का कृषक प्रक्षेत्र पर भ्रमण	16	20
घ) कृषकों का कृषि विज्ञान केन्द्र पर भ्रमण	26	26
ङ) मोबाइल सलाह	32	सामूहिक
च) समाचार पत्र प्रकाशन	37	सामूहिक

प्रथम पंक्ति प्रदर्शन में दिये जाने वाले आदान

❖ दिनाँक 12-07-22 दिन मंगलवार को समूहबद्ध अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (तिलहन) के अंतर्गत तिल की प्रजाति शेखर के बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 25 कृषक उपस्थित रहे।

❖ दिनांक 19 जुलाई 2022 को अग्रिम पक्ति प्रदर्शन पोषक वाटिका के अंतर्गत सब्जियों के बीज एवं फलो के पौधों का वितरण गृह विज्ञान विशेषज्ञ डॉ श्वेता सिंह द्वारा किया गया।

प्रक्षेत्र परीक्षण में दिये जाने वाले आदान

❖ दिनाँक 12-07-22 दिन मंगलवार को प्रक्षेत्र परीक्षण के अंतर्गत भिण्डी की प्रजाति काशी चमन एवं बैगन की प्रजाति काशी सन्देश के बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम

❖ दिनांक 02/07/2022 को ऊर्जा संरक्षण विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन कराया गया साथ ही किसानो को कृषि में उपयोग होने वाले ईधन की बचत के तरीको के बारे में विस्तार से बताया गया।

❖ बेरोजगार युवक युवतियों हेतु पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक- 04/07/2022 से 08/07/2022 तक केंद्र के उद्यान विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव द्वारा बेरोजगार युवतियों को " चडावे के फूलों से अगरबत्ती बनाने का प्रशिक्षण" केंद्र पर दिया गया। जिसमे केंद्र की गृह विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. स्वेता सिंह, मृदा विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय, सस्य विज्ञानं विशेषज्ञ डॉ. अवनीश कुमार सिंह ने भी महिलाओ को आवशयक जानकारी दी गयी। पांच दिवसीय प्रशिक्षण के पश्चात प्रमाण पत्र डॉ विवेक प्रताप सिंह कार्यवाहक अधक्ष द्वारा वितरित किया गया।

❖ केंद्र के मृदा विशेषज्ञ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय एवं उद्यान विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव द्वारा दिनांक- 07/07/2022 को कृषि मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार श्री सूर्यप्रताप शाही की अध्यक्षता में आयोजित राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की बैठक में प्रतिभाग किया गया।

❖ दिनांक 11 से 13 जुलाई 2022 को अचार, जैम एवं स्कवैश बनाने का प्रशिक्षण बेरोजगार युवतियों एवं महिलाओ को केंद्र की गृह विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. श्वेता सिंह द्वारा दिया गया. प्रशिक्षण में महिलाओं को तैयार सामग्री का मूल्य निर्धारण करना एवं उद्यमिता के बारे में भी बताया गया.

❖ दिनांक 14/07/22 को केंद्र तथा अपीडा के संयुक्त तत्वाधान कृषि उत्पादों के निर्यात को बढावा विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन कराया गया। जिसमे कृषकों को कृषि सामग्री को निर्यात कर अधिक मुनाफा कमाने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी।

❖ केन्द्र द्वारा "आईसीएआर के 94वें स्थापना दिवस और डीएफआई की सफलता की कहानी उत्सव कार्यक्रम" के अवसर पर किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया है।

❖ केंद्र के द्वारा दिनांक- 19/07/2022 को किसानो को "सब्जी में समेकित पोषक तत्व प्रबन्धन" विषय पर ग्राम रामपुर गोपालपुर ब्लाक चरगावा पर प्रशिक्षण दिया गया। इसी के साथ ही साथ प्राकृतिक खेती एवं मृदा जांच आदि पर आवशयक जानकारी दी गयी।

❖ केंद्र के उद्यान विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव द्वारा दिनांक- 25/07/2022 को किसानो को "अधिक आय अर्जन हेतु पपीता की वैज्ञानिक खेती" विषय पर ग्राम रानाडीह ब्लाक भरोहिया में प्रशिक्षण दिया गया। इसी के साथ ही साथ प्राकृतिक खेती आदि पर आवशयक जानकारी दी गयी।

❖ गृह विज्ञान विशेषज्ञ डॉ श्वेता सिंह द्वारा 31 जुलाई 2022 को स्वच्छता कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओ एवं किशोरियों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला का आयोजन खोराबार ब्लॉक के करजहा के रामपुर गांव में किया गया

❖ गृह विज्ञान विशेषज्ञ डॉ श्वेता सिंह द्वारा जंगल धूसड़ में खाद्य संरक्षण से सम्बंधित प्रशिक्षण दिया गया. इस प्रशिक्षण में महिलाओ को अचार, जैम एवं स्कवैश बनाने का प्रशिक्षण दिया गया

प्रक्षेत्र भ्रमण

❖ दिनांक 25/07/2022 को ग्राम रानाडीह ब्लाक भरोहिया में केंद्र के उद्यान विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव द्वारा कृषको को मचान विधि द्वारा सब्जिओ की खेती के लाभ की जानकारी दी।

अगस्त माह के मुख्य खेती-बाड़ी के कार्य

फसलोत्पादन एवं प्रबंधन

धान

❖ गैर बासमती धान की रोपाई के 25 -30 दिन बाद, अधिक उपज वाली प्रजातियों में प्रति हेक्टेयर 30 किग्रा नाइट्रोजन तथा सुगन्धित प्रजातियों में प्रति हेक्टेयर 15 किग्रा नाइट्रोजन की टॉप ड्रेसिंग कर दे एवं दूसरी व अंतिम टॉप ड्रेसिंग रोपाई के 50 - 55 दिन बाद करें। टॉप ड्रेसिंग करते समय 2 -3 सेमी से अधिक पानी हो।

❖ धान फसल में तना छेदक कीट की रोकथाम के लिए प्रति हेक्टेयर 20 किग्रा कार्बोफ्यूरान दवा, खेत में 4.5 सेमी पानी होने पर प्रयोग करें अथवा क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी. 1.25 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से 600 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

❖ खैरा रोग की रोकथाम के लिए प्रतिहेक्टेयर 5 किग्रा. जिंक सल्फेट को 20 किग्रा. यूरिया अथवा 2.5 किग्रा. बुझे चूने को 800 – 1000 ली. पानी में घोलकर छिड़काव करें।

मृदा विज्ञान

❖ मृदा में पोषक तत्वों की कमी जानने के लिए मृदा परीक्षण करवा लें तथा भूमि में उर्वरको का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करें।

❖ धान की रोपाई के 45 दिन पश्चात मृदा जांच की संस्तुति के आधार पर यूरिया का छिडकाव अवश्य करें।

मौनपालन

❖ मौन गृह के तलपट पर सम्बंधित उपकरणों को पोटैशियम परमैगनेट/ लाल दवा से एक बार धुलाई करें।

❖ माइट के प्रकोप से बचने के लिए मौन गृह के तलपट की समय-समय पर सफाई करते रहें।

❖ अत्यधिक पुराने एवं काले पड़ चुके छत्तों को नष्ट कर दें तथा उनकी प्रतिपूर्ति मोमी छात्ताधर लगा कर नए छत्तों का निर्माण कर लिया जाए ताकि मौनवंशों की गुणवत्ता प्रभावित न हो।

❖ गतवर्ष की अधिक शहद उत्पादन करने वाले सशक्त मौनवंशों को मात्र मौनवंश की श्रेणी में रखते हुए इनसे मौनवंशों का संवर्धन सुनिश्चित किया जाए।

पशुपालन

❖ जिन पशुओ को गलाघोंटू तथा लंगड़िया बुखार का टीका नही लगा है उन्हें टिका लगवाए।

❖ पशुओं को लिवर फ्लूक के लिए दवा पिलाएं।

❖ भेड़ / बकरियों को परजीवी की दवा चिकित्सक के परामर्श से दें।

❖ खान-पान में साफ – सफाई का ध्यान रखें।

सब्जियों की खेती

❖ शिमला मिर्च, टमाटर व गोभी की मध्यवर्गीय किस्मों की बोआई पौधशाला मे पूरे माह कर सकते है।

❖ पत्तागोभी की नर्सरी डालने का समय माह के अंतिम सप्ताह से शुरु होता है।

❖ बैगन, मिर्च, अगेती फूलगोभी व खरीफ प्याज की रोपाई करे।

❖ बैगन, मिर्च, भिण्डी की फसलों मे निराई-गुड़ाई व जल निकास हेतु खेत से पानी निकालने की व्यवस्था करें।

❖ कद्दूवर्गीय सब्जियों मे मचान बनाकर उस पर बेल चढ़ाने से उपज बढ़ जाती है एवं अधिक वर्षा होने पर भी फसल बच जाती है।

❖ परवल लगाने के लिए 15 अगस्त (मघा नक्षत्र) के आसपास का समय सर्वोत्तम होता है।

फलों की खेती

❖ आम, अमरुद, बेर, आँवला, नीबू आदि के नये बाग लगाने का समय अभी चल रहा है। इनकी पौध किसी विश्वसनीय पौधशाला से ही प्राप्त करे।

फूलो की खेती

❖ गुलाब के स्टाक की क्यारियो में बदलाई करे। आवशयकतानुसार निराई-गुड़ाई व रेड स्केल कीट का नियंत्रण करें।

❖ रजनीगंधा में बरसात के समय आवश्यकतानुसार सिचाई एवं निराई –गुड़ाई करे तथा पोषक तत्वों के मिश्रण का 15 दिन के अन्तराल पर छिडकाव करे।

संपर्क सूत्र			
नाम	**पद**	**विषय**	**मो.नं.**
डा0 विवेक प्रताप सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	पशुपालन	**07651922058**
डा0 अजीत कुमार श्रीवास्तव	विषय वस्तु विशेषज्ञ	उद्यान	**08787264166**
डा0 संदीप प्रकाश उपाध्याय	विषय वस्तु विशेषज्ञ	मृदा विज्ञान	**09621437547**
श्री अवनीश कुमार सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	सस्य विज्ञान	**09792099943**
श्रीमती श्वेता सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	गृह विज्ञान	**09453158193**